राष्ट्रीय गोकुल मिशन

प्रिलिम्स के लिये:

राष्ट्रीय गोकुल मिशन और संबंधित पहल, राष्ट्रीय पशुधन विकास योजना, गोकुल ग्राम

मेन्स के लिये:

पशुधन क्षेत्र को बढ़ावा देने की पहल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने घोषणा की है कि **50 लाख से अधिक किसानों को रोज़गार दिया जाएगा।**

- राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) के तहत गाय/भैंस/सुअर/मुर्गी/बकरी प्रजनन फार्मों और साइलेज बनाने वाली इकाइयों को सब्सिडी प्रदान करने की योजना है, **जिसमें से 50% सब्सिडी भारत सरकार द्वारा दी जाएगी। साथ ही पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (Animal Husbandry Infrastructure Development Fund- AHIDF) योजना के तहत लोन राशि पर 3 फीसदी ब्याज़ सबवेंशन भी लिया जा सकता है।**

राष्ट्रीय गोकुल मिशन:

- **परिचय:**
  - यह दिसंबर 2014 से देशी **गोजातीय नस्लों के विकास और संरक्षण के लिये लागू किया जा रहा है।**
  - यह योजना 2400 करोड़ रुपए के बजट परिव्यय के साथ वर्ष 2021 से 2026 तक अम्ब्रेला योजना राष्ट्रीय पशुधन विकास योजना के तहत भी जारी है।
- **नोडल मंत्रालय:**
  - मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
- **उद्देश्य:**
  - उन्नत तकनीकों का उपयोग करके गोवंश की उत्पादकता और दुग्ध उत्पादन को स्थायी रूप से बढ़ाना।
  - प्रजनन उद्देश्यों के लिये उच्च आनुवंशिक योग्यता वाले साँडों के उपयोग का प्रचार करना।
  - प्रजनन नेटवर्क को मज़बूत करने और किसानों तक कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं की डिलीवरी के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान कवरेज को बढ़ाना।
  - वैज्ञानिक और समग्र तरीके से स्वदेशी मवेशी और भैंस पालन एवं संरक्षण को बढ़ावा देना।
- **महत्त्व:**
  - राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) के परिणामस्वरूप उत्पादकता में वृद्धि होगी तथा कार्यक्रम का लाभ विशेष रूप से **भारत के सभी छोटे और सीमांत किसानों के मवेशियों एवं भैंसों तक** पहुँचेगा।
  - यह कार्यक्रम विशेष रूप से **महिलाओं को भी लाभान्वित करेगा क्योंकि पशुधन खेती** में **शामिल 70% से अधिक** कार्य महिलाओं द्वारा किया जाता है।
- **घटक:**
  - उच्च आनुवंशिक मेरिट जर्मप्लाज़्म (Merit Germplasm) की उपलब्धता
  - कृत्रिम गर्भाधान नेटवर्क का विस्तार
  - स्वदेशी नस्लों का विकास और संरक्षण
  - कौशल विकास
  - किसान जागरूकता
  - गो-जातीय प्रजनन में अनुसंधान विकास और नवाचार
- **क्रियान्वयन एजेंसी:**
  - राष्ट्रीय गोकुल मिशन को **"राज्य कार्यान्वयन एजेंसी (एसआईए अर्थात् पशुधन विकास बोर्ड)"** के माध्यम से कार्यान्वित किया

जाएगा।

- **महत्त्वपूर्ण पहलें:**
    - **गोपाल रत्न पुरस्कार:**
        - यह सर्वश्रेष्ठ स्वदेशी नस्ल के समूह को बनाए रखने तथा सर्वोत्तम प्रबंधन के लिये किसानों को प्रदान किया जाता है।
    - **कामधेनु पुरस्कार:**
        - संस्थान/ट्रस्ट/एनजीओ/गौशालाओं या सर्वश्रेष्ठ-प्रबंधित ब्रीडर्स सोसायटियों द्वारा सर्वश्रेष्ठ-प्रबंधित स्वदेशी समूह के लिये प्रदान किया जाता है।
    - **गोकुल ग्राम:**
        - RGM ने स्वदेशी नस्लों को विकसित करने हेतु एकीकृत मवेशी विकास केंद्रों **'गोकुल ग्राम' की स्थापना की परिकल्पना की है, जिसमें 40% तक नस्लें** (किसी विशेष वर्ग या प्रकार से संबंधित या दिखाई देने वाली) शामिल हैं:
            - वैज्ञानिक तरीके से स्वदेशी पशु पालन और संरक्षण को बढ़ावा देना।
            - स्वदेशी नस्लों के उच्च आनुवंशिक योग्यता वाले सांडों का वंश बढ़ाना।
            - आधुनिक कृषि प्रबंधन पद्धतियों का अनुकूलन करना तथा सामान्य संसाधन प्रबंधन को बढ़ावा देना।
            - पशु अपशिष्ट का किफायती तरीके से उपयोग करना जैसे- गाय का गोबर, गोमूत्र।
        - हाल ही में **16 गोकुल ग्रामों की स्थापना के लिये धनराशि** जारी की गई है।
    - **राष्ट्रीय कामधेनु प्रजनन केंद्र (NKBC):**
        - इसे समग्र और वैज्ञानिक तरीके से स्वदेशी नस्लों के विकास और संरक्षण के लिये उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है।
    - **ई-पशु हाट:**
        - यह एक वेब पोर्टल है, यह पालतू मवेशियों, गोजातीय पशुओं के व्यापार के बारे में जानकारी प्रदान करता है जो देश में किसी अन्य प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं था।
    - **नकुल प्रजनन बाज़ार:**
        - यह गुणवत्तापूर्ण-रोग मुक्त गोजातीय जरमप्लाज़्म के लिये प्रजनकों और किसानों को जोड़ने वाला एक ई-मार्केट पोर्टल है।
    - **पशु संजीवनी:**
        - यह एक पशु कल्याण कार्यक्रम है जिसमें विशिष्ट पहचान और राष्ट्रीय डेटाबेस पर डेटा अपलोड करने के साथ पशु स्वास्थ्य कार्ड ('नकुल स्वास्थ्य पत्र') का प्रावधान शामिल है।
    - **सहायक प्रजनन तकनीक (ART):**
        - सहायक प्रजनन तकनीक- IVF/मल्टीपल ओव्यूलेशन एम्ब्रियो ट्रांसफर (MOET) और सेक्स-सॉर्टेड सीमेन तकनीक है, इससे रोग मुक्त मादा गोवंश की उपलब्धता में सुधार किया जा सकता है।
    - **स्वदेशी नस्लों के लिये राष्ट्रीय गोजातीय जीनोमिक केंद्र (NBGC-IB):**
        - यह अत्यधिक सटीक जीन-आधारित तकनीक का उपयोग करके कम उम्र में उच्च आनुवंशिक योग्यता के प्रजनन साँडों के चयन के लिये स्थापित किया जाएगा।
    - **AHIDF योजना:**
        - व्यक्तिगत उद्यमियों, निजी कंपनियों, MSME, किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) और धारा 8 के अंतर्गत कंपनियों द्वारा निवेश को प्रोत्साहित करने के लिये आत्मनिर्भर भारत अभियान **प्रोत्साहन पैकेज** के तहत 15000 करोड़ रुपए का AHIDF **स्थापित** किया गया है:
            - **डेयरी प्रसंस्करण और मूल्यवर्द्धन अवसंरचना,**
            - **मांस प्रसंस्करण और मूल्यवर्द्धन अवसंरचना और**
            - **पशु चारा संयंत्र।**

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, पिछले वर्ष के प्रश्न (पीवाईक्यू)

प्रश्न. ग्रामीण क्षेत्रों में गैर-कृषि रोज़गार और आय प्रदान करने के लिये पशुधन पालन की बड़ी संभावना है। भारत में इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिये उपयुक्त उपाय सुझाने पर चर्चा कीजिये। **(2015)**

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rashtriya-gokul-mission